एक्सपर्ट ने दावा किया कि किम जोंग उन की मौत हो गई है

दावा

अब सबसे शक्तिशाली है बहन जिनकी क्रूरता पहले से चर्चा में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन का स्वास्थ्य एक बार फिर चर्चा में है। दावा किया गया है कि किम जोंग कोमा में हैं। यहां तक कि एक एक्सपर्ट ने यह भी दावा किया है कि किम जोंग की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस बात की संभावना भी जताई गई है कि अब देश की कमान उनकी बहन किम यो जोंग के हाथों में सौंपी जा सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यो जोंग दुनिया की पहली महिला तानाशाह होंगी। दरअसल, कुछ दिन पहले ही किम जोंग ने बहन को प्रमोशन दिया था जिसके बाद वह और भी ज्यादा शक्तिशाली हो गई हैं। उन्हें लेकर पहले से यह कहा जाता है कि वह तानाशाह से भी ज्यादा खतरनाक और क्रूर हैं।

यो जोंग का आदेश, सम्मान और डर: अंग्रेजी अखबर मिरर के मुताबिक एक्सपर्ट्स इस बात की चेतावनी देते हैं कि किम यो जोंग बेहद क्रूर हैं। माना जाता है कि यो जोंग इस बात का फैसला करती थीं कि जोंग उन तक कौन से मुद्दे ले जाए जाने के लिए अहम हैं। कहा जाता है कि यो जोंग पार्टी के लोगों को उन्हें सम्मान और डर से पेश आने के लिए कहती थीं। जब उत्तर कोरिया के लाइव फायर मिलिट्री अभ्यास का दक्षिण कोरिया ने विरोध किया तो किम यो जोंग ने कहा था कि डरे हुए कुत्ते भौंक रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की धुर विरोधी: उत्तर कोरिया के बारे में जानकारी रखने वाले कई विशेषज्ञों ने किम यो जोंग को दक्षिण कोरिया का धुर विरोधी बताया है। इतना ही नहीं कहा तो यह भी जा रहा है कि उन्हीं के आदेश पर किम की सेना ने सीमा पर मौजूद सहयोग स्थलों को बम से उड़ा दिया था। किम यो–जोंग पहली बार 2018 में चर्चा में आई जब उन्होंने दक्षिण कोरिया का दौरा किया। वे किम वंश की पहली ऐसी सदस्य थीं जिन्होंने पहली बार दक्षिण कोरिया की धरती पर कदम रखा था। उन्होंने इस दौरे के बाद दक्षिण कोरिया को लेकर काफी आक्रामक तेवर दिखाए थे।

भाई की सबसे वफादार

उत्तर कोरियाई मामलों के जानकार लिओनिड पेट्रोव कहते हैं, किम यो जोंग की अपने भाई तक सीधी पहुंच है। यही नहीं उत्तर कोरियाई शासक पर उनकी बहन का गहरा प्रभाव है। किम यो जोंग को अपने भाई के बारे में सब पता है। किम यो जोंग अपने भाई की सबसे वफादार हैं और विदेशियों और दक्षिण कोरिया से डील करती हैं। किम यो जोंग अपने भाई की सकारात्मक छवि दुनिया में बनाने का काम करती हैं।श

किम जोंग उन कोमा में या हुई मौत?: कुछ दिन पहले दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने बताया था कि 32 साल की किम यो जोंग को अमेरिका और दक्षिण कोरिया से जुड़े मामलों को देखने के लिए उत्तर कोरिया का प्रभारी बनाया गया है। इस तरह से वह अब देश में अघोषित रूप से दूसरे नंबर की नेता हो गईं।

न्यूज डायरी

ओली–प्रचंड के बीच समझौते का फार्मूला तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच समझौते का फार्मूला तैयार हो गया है। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर मतभेद को दूर करने के लिये गठित छह सदस्यीय समिति ने सुझाव दिया है कि पीएम ओली को अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहिए। साथ ही, इसके कार्यकारी अध्यक्ष प्रचंड को पार्टी के कामकाज में पूर्ण कार्यकारी शक्तियों का उपयोग करने की अनुमति दी जाए। इस कार्यबल का गठन ओली और प्रचंड ने 15 अगस्त को किया था और बाद में पार्टी के शक्तिशाली केंद्रीय सचिवालय ने 17 अगस्त को इसे मंजूरी दी थी। कार्यबल का नेतृत्व पार्टी महासचिव विष्णु पौडियाल कर रहे थे। समिति ने शनिवार को ओली और प्रचंड को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति में पार्टी की स्थायी समिति के सदस्य शंकर पोखरेल, जनार्दन शर्मा, भीम रावल, सुरेंद्र पांडे और पंफा भुसाल भी शामिल थे।

पैसे के बल पर चीनी राजदूत बना रही हैं नेटवर्कः रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीन अपनी विस्तारवादी नीति से दुनिया के कई देशों पर अपना प्रभाव जमा रहा है। अब नेपाल सरकार के साथ चीन की सांठगांठ नेपाल की संप्रभुता और उसके स्वतंत्र होकर फैसले लेने की क्षमता पर सवाल खड़े कर रही है। ग्लोबल वॉच एनालिसिस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के साथ संबंध रखने के चलते नेपाल अपनी स्वायत्तता और फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है। नेपाल में चीनी राजदूत हाओ यांकी पैसे के बल पर वफादारों का नेटवर्क तैयार कर रही हैं। लेखक रोलैंड जैक्वार्ड ने अपने लेख में बताया है कि चीन की नीति है कि वह उन देशों के राजनीतिक वर्ग को भ्रष्ट करता है, जो आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया है कि कैसे नेपाल की विदेश नीति चीन की विस्तारवादी रणनीति का शिकार हो रही है। पिछले साल जनवरी में, जिस दिन चीन ने वेनेजुएला पर आर्थिक प्रतिबंधों लगाने के लिए अमेरिका के कदम की निंदा की थी, एनसीपी ने भी एक ऐसा ही बयान जारी किया।

अमेरिकी विदेश मंत्री पाम्पिओ की मध्य एशियाई देशों का दौरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ रविवार से अपनी चार शुरू देशों की यात्रा पर निकल गए। स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टागस ने कहा विदेश मंत्री पोम्पिओ 23 से 28 अगस्त तक इजराइल, सूडान, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा करेंगे। खास बात यह है कि पोम्पिओ की मध्य एशियाई देशों की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका ईरान के मसले पर संयुक्त राष्ट्र में अलग–थलग पड़ गया है। यहां तक पश्चिमी देशों ने भी उसका साथ देने से इन्कार कर दिया। ऐसे में अमेरिकी विदेश मंत्री की इन देशों की यात्रा अहम मानी जा रही है। कयास लगाए जा रहा है कि पोम्पिओ अपनी इस यात्रा के जरिए यह संदेश देंगे कि अमेरिका उनके हितों के साथ मजबूती से जुड़ा है।

फिलीपींस में दो धमाके, 10 की मौत दर्जनों घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनीला। फिलीपींस के मुस्लिम बहुल इलाके सुलु के जोलो में सोमवार को दो बम धमाके हुए। इस धमाके में करीब 10 लोगों की मौत हो चुकी है और सैनिकों व पुलिसकर्मियों समेत दर्जनों जख्मी है। इस इलाके में लंबे समय से अबु सय्याफ ग्रुप व सरकार समर्थित सुरक्षा बलों की लड़ाई चल रही है। सोमवार को दक्षिणी फिलीपींस में आत्मघाती हमलावर ने दो धमाके किए। पहले धमाके में पांच सैनिकों और चार आम नागरिकों की मौत हो गई। सुपरमार्केट के पास पार्किंग में लगी मोटरसाइकिल मे एक विस्फोटक डिवाइस लगा था। लेफ्टिनेंट जनरल कोर्लेटो विनलुआन ने यह जानकारी दी। विस्फोट में 16 सैनिक जख्मी हो गए, इसमें 20 आम नागरिक भी घायल हो गए थे। इसके कुछ ही देर बाद उसी जगह पर महिला आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया।

बेलारूस में प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति राइफल के साथ नजर आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मिंस्क। बेलारूस में लाखों लोग मिंस्क में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। विपक्ष के लाल और सफेद झंडे से लैस प्रदर्शनकारी स्वतंत्रता चौक पर इकट्ठा हो गए हैं और राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेन्को के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। उधर, जनता के इस विद्रोह से घबराए राष्ट्रपति लुकाशेन्को बुलेटप्रूफ जैकेट पहन असाल्ट राइफल लेकर अपने राष्ट्रपति भवन में नजर आए।

बेलारूस में 9 अगस्त को हुए विवादास्पद चुनाव के बाद से ही देश में काफी बवाल चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का अनुमान है कि करीब डेढ़ लाख लोग राष्ट्रपति लुकाशेन्को के खिलाफ ताजा प्रदर्शनों में हिस्सा ले रहे हैं। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि कुछ महीने पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उधर, प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए बेलारूस में सेना को तैनात कर दिया गया है।

लोगों का आरोप है कि चुनाव में फर्जीवाड़ा किया गया है। इन लोगों पर पुलिस ने आंसू गैस और ग्रेनेड तक का इस्तेमाल कर डाला जिसकी काफी आलोचना हो रही है। चुनाव के नतीजे सोमवार शाम को आएंगे। वहीं, एग्जिट पोल्स के मुताबिक लूकाशेंको को 80 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि स्वेतलाना को सिर्फ 7 प्रतिशत।

अमेरिका ने भेजे 120 मिसाइलों से लैस परमाणु बमवर्षक विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। बेलारूस में जनता के विद्रोह के बीच नाटो और रूस के बीच तनाव गहराता जा रहा है। रूस ने बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेन्को को अपना समर्थन दिया है, वहीं नाटो देश उनका विरोध कर रहे हैं। करीब 26 साल में सत्ता पर काबिज बेलारूस के राष्ट्रपति ने आरोप लगाया है कि नाटो उनके देश में बंटवारा कराना चाहता है और उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है। नाटो और रूस में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपने 6 बी–52 बमवर्षक विमान ब्रिटेन भेजे हैं। ये विमान करीब 120 मिसाइलों से लैस हैं और इनमें से कुछ परमाणु हथियारों से लैस हैं। अमेरिकी वायुसेना ने एक बयान जारी करके कहा है कि छह बी–52 बॉम्बर उत्तरी डकोटा के मिनोट एयर फोर्स बेस से उड़ान भरकर 22 अगस्त को ब्रिटेन के फेयरफोर्ड हवाई ठिकाने पर पहुंचे हैं।

ट्रंप ने घोषणा की है कि कंवलसेंट प्लाज्मा तकनीक से अमेरिका में इलाज होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस से जूझ रहे मरीजों के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका के खाद्य और औषधि प्रशासन ने कंवलसेंट प्लाज्मा तकनीक से इलाज को मंजूरी दी है। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि इस कंवलसेंट प्लाज्मा इलाज के जरिए 30 से 50 फीसदी मरीजों की जान बचाई जा सकेगी।

क्या होता है कंवलेसंट प्लाज्मा थैरेपी: जब कोई वायरस किसी इंसान पर हमला करता है तो उसके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमण से लड़ने के लिए एंटीबॉडीज कहे जाने वाले प्रोटीन विकसित करती है। अगर वायरस से संक्रमित किसी व्यक्ति के ब्लड में पर्याप्त मात्रा में एंटीबॉडीज विकसित होता है तो वह वायरस की वजह से होने वाली बीमारियों से ठीक हो सकता है। प्लाज्मा थैरेपी को प्चेंअम पउउनदवहसवइनसपद भी कहा जाता हैं। इसका मतलब होता है कि इम्युनोग्लोबुलिन जो किसी और के शरीर में पर्याप्त मात्रा में होता है और वो रोगी के शरीर में जाकर रोग से लड़ने में मदद करता है।

ट्रंप ने दावा किया है कि इसके जरिए 50 फीसदी मरीजों की जान बचाई जा सकेगी

कंवलसेंट प्लाज्मा थेरेपी के पीछे विचार यह है कि इस तरह की रोग प्रतिरोधक क्षमता ब्लड प्लाज्मा थेरेपी के जरिए एक स्वस्थ व्यक्ति से बीमार व्यक्ति के शरीर में ट्रांसफर की जा सकती है। कंवलसेंट प्लाज्मा का मतलब कोविड–19 संक्रमण से ठीक हो चुके व्यक्ति से लिए गए ब्लड के एक अवयव से है। प्लाज्मा थेरेपी में बीमारी से ठीक हो चुके लोगों के एंटीबॉडीज से युक्त ब्लड का इस्तेमाल बीमार लोगों को ठीक करने में किया जाता है।

इस तरीके से काम करती है प्लाज्मा थैरेपीः विशेषज्ञों के मुताबिक ये 2–3 तरीकों से काम करते हैं, जैसे ये एंटीबॉडी वायरस के सरफेस पर जो एंटीजन है, वहां जाकर जुड़ जाते हैं।

लीबियाई कमांडर ने प्रतिद्वंद्वियों के संघर्ष विराम को 'छल' बताकर खारिज किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काहिरा। लीबियाई कमांडर खलीफा हफ्तार के प्रति वफादार बलों ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार के संघर्ष विराम संबंधी प्रस्ताव को "छल" बताकर रविवार को खारिज कर दिया और दावा किया कि प्रतिद्वंद्वी मिलिशिया सामरिक शहर सिर्ते पर हमला करने की तैयारी कर रहे हैं। हफ्तार बलों के प्रवक्ता, अहमद अल मोसमारी ने टीवी पर प्रसारित प्रेस वार्ता में कहा कि यह प्रस्ताव, "और कुछ नहीं बल्कि आंखों में धूल झोंकने और स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय जनता को धोखा देना भर दिखाता है।" उन्होंने तुर्की और कतर का संदर्भ देते हुए कहा, "यह पहल लीबिया में उनकी सही मंशा को ढंकने के मकसद से है।" ये दोनों देश, राजधानी त्रिपोली में संयुक्त राष्ट्र समर्थित सरकार के मुख्य समर्थक हैं। वहीं हफ्तार के बल पूर्वी लीबिया में प्रतिद्वंद्वी संसद के साथ संबद्ध हैं। तेल समृद्ध लीबिया में उस वक्त अराजकता उत्पन्न हो गई थी जब नाटो समर्थित विद्रोह ने 2011 में लंबे समय से तानाशाह रहे मोअम्मर गद्दाफी का तख्तापलट किया था, जिनकी बाद में हत्या कर दी गई थी।